सीएम डॉ. रमनसिंह ने किया छत्तीसगढ़ विशेषांक का विमोचन

प्रवीणकुमार जैन, रायपुर। बुंदेलखंड की वीर प्रसूता नगरी झाँसी से 36 वर्षों से निरंतर प्रकाशित दैनिक विश्व परिवार को संस्कारधानी रायपुर से प्रकाशित होने के प्रवेशांक का विमोचन समारोह के मुख्य अतिथि राज्य के मुख्यमंत्री श्री रमनसिंह ने किया। समारोह की अध्यक्षता राज्य विधानसभा के अध्यक्ष श्री धरमलाल कौशिक ने की, विशिष्ट अतिथियों के रुप में महिला एवं बाल विकास मंत्री लता उसेंठी, संसदीय सचिव महेश बांगड़, ईएफडब्ल्यूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम राव, राज्य श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के अध्यक्ष अरविन्द अवस्थी, कोषाध्यक्ष श्यामबाबू आदि उपस्थित रहे। विमोचन उपरांत मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व परिवार राज्य के

रचनात्मक विकास में योगदान के साथ शासन की योजनाओं की सफलता को जनमानस तक पहुँचाने में सहभागी होगा। उन्होंने आगे कहा कि पत्रकार विषम परिस्थितियों में संघर्ष करते हुए रचनात्मक लेखन के द्वारा राज्य को विकास की राह पर ले जा रहे है। श्री विक्रमरावजी ने कहा कि दैनिक विश्व परिवार के प्रधान संपादक श्री कैलाशचंद जैन वरिष्ठ श्रमजीवी पत्रकार है, जो उत्तरप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के अध्यक्ष भी रहे है। उनका सकारात्मक चिंतन व उनकी लेखनी सदैव प्रखर मुखर होती रही है। रानी लक्ष्मीबाई की नगरी के बाद छत्तीसगढ़ की संस्कारधानी में भी दैनिक विश्व परिवार शासन व जनता के बीच सेतु का कार्य करते हुए अपनी उपयोगिता सिद्ध करेगा। संपादक श्री प्रवीण कुमार जैन ने बताया कि दैनिक विश्व परिवार अब वेबसाइट पर आ जाने से समस्त विश्व समुदाय से जुड़कर विश्व परिवार की कल्पना को साकार करेगा। विमोचन का संचालन श्री विक्रमराव व आभार प्रधान संपादक श्री कैलाशचंदजी ने किया।

नागपुर को मिला दो आचार्यों के चातुर्मास का सानिध्य

प्रकाशचंद जैन, नागपुर। सकल जैन समाज का परम सौभाग्य है कि नागपुर में चातुर्मास में दो दो आचार्यों का सानिध्य मिल रहा है, प.पू. आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज का ससंघ चातुर्मास स्थापना अतिशय क्षेत्र रामटेक (जिला नागपुर) में हुई, चातुर्मास के कुछ दिन पश्चात चौबीस दीक्षाओं को एक साथ देखने का सुअवसर जैन समाज को प्राप्त हुआ। यह कार्यक्रम इतना विशाल एवं भव्य था कि बिना किसी पूर्व सूचना के सारे भारत वर्ष से श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुये। प.पू. आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के आशीर्वाद से नागपुर के परवारपुरा जैन मंदिर के नवनिर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ, इस मंदिर के निर्माण की रुपरेखा इस तरह से तैयार की गई है कि विदर्भ क्षेत्र में अपने आप में यह मंदिर अपनी विशेष पहचान के लिये जाना जायेगा। आचार्यश्री के प्रवचन प्रत्येक रविवार दोपहर 2 बजे से लगातार हो रहे हैं। उसी तरह प.पू. आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज अपने चौदह मुनिराजों सहित नागपुर में विराजमान है, आचार्यश्री के सानिध्य में 'श्रावक संस्कार शिविर' का आयोजन हेडगेवार भवन रेशिमबाग में हुआ जिसमें संपूर्ण भारत वर्ष से प्रसिद्ध विद्वान एवं आठ सौ शिविरार्थियों ने पधारकर शिविर में लाभ लिया। आचार्यश्री के सानिध्य में 6 अक्टूबर को महावीर नगर उद्यान में दीक्षायें होना है, आचार्यश्री के प्रवचन प्रतिदिन सुबह 9 बजे एवं दोपहर 3 बजे नियमित हो रहे हैं।

* बधाईयाँ *

कु. सलोनी संजय-अंजू जैन इन्दौर को कत्थक नृत्य की सुंदर प्रस्तुति के लिये विद्यालय एवं अनेक संस्थानों से मेडल प्राप्त हुये। कु. सलोनी जैन 8 वर्ष के कत्थक प्रशिक्षण के पांचवे वर्ष में है व मंच पर एकल व समूह प्रस्तुति दे रही है। आप गोलालारीय समाज के पूर्व कोषाध्यक्ष स्व. श्री राजेन्द्रकुमार की पौत्री है।

क्षमा वीरस्य भूषणम्

कपूरचंद जैन, खतौली। नगर में दशलक्षण पर्व उत्साह एवं आनंद के साथ मनाया गया। सभी नौ मंदिरों में प्रात: पूजन, अभिषेक के साथ शांतिधारा कर विश्व के कल्याण की कामना की गई। सायं आरती, शास्त्र, प्रवचन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष नगर में ऐलाचार्य श्री क्षमाभूषणजी महाराज तथा आर्यिका कीर्तिमती माताजी द्वारा ससंघ चातुर्मास करने से विशेष प्रभावना रही। क्षमावाणी पर गोष्ठियों का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न वक्ताओं ने जैन एवं जैनेत्तर महानुभावों को क्षमा का स्वरुप बताकर पालन करने का संदेश दिया। शांतिनाथ मंदिर में धर्मसभा का संचालन डॉ. ज्योति जैन ने किया। मुख्य वक्ता हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. एम.एम.नागर एवं डॉ. कपूरचंद जैन ने कहा कि क्षमा मानव का स्वभाव है, स्थावर जीवों, दो तीन, चार इंद्रिय जीवों से क्षमायाचना करना, जैन धर्म की विशेषता है। अन्य वक्ताओं ने भी विचार व्यक्त किये। श्री पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर, जैन मंडी में डॉ. कपूरचंद ने प्रात: अभिषेक कर प्रतिदिन श्री भक्तामर विधान किया। डॉ. ज्योति जैन ने जैन मिलन, महासमिति की विभिन्न शाखाओं में प्रश्नमंच आयोजित कर धर्म प्रभावना की।

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन। श्री महावीर दि. जैन मंदिर में पर्यूषण पर्व में अभूतपूर्व धर्म की गंगा प्रवाहित हुई। दिसम्बर 2012 में संपन्न पंचकल्याणक के पश्चात नव श्रृंगारित मंदिर में पूरे 10 दिन प्रात:काल की बेला में अभिषेक, शांतिधारा, संगीतमय सामूहिक पूजन के पश्चात दशलक्षण महामंडल विधान का आयोजन किया गया। सायंकाल सामूहिक आरती, दशधर्म पर प्रवचन पश्चात प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति बड़े ही मनमोहक ढंग से की गई, जिसमें सभी आयुवर्ग के धर्म स्नेही माता, बहिनों, आबाल वृद्धों ने अपनी अपनी योग्यतानुसार भागीदारी सुनिश्चित कर पुण्य संचय किया। पर्यूषण पश्चात प्रतियोगिता में भाग लेने वालों को पुरस्कार वितरण कर उत्साहवर्धन किया गया। दि. 20 सितम्बर को किले अंदर श्री शीतलनाथ छोटे मंदिर से श्रीजी की शोभा यात्रा प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई स्टेशन जैन मंदिरके पास माधवगंज प्रांगण में आकर श्रीजी का अभिषेक, पूजन किया गया। सभी सार्धीबंधुओं ने गत वर्ष में हुई त्रुटियों के लिए एक दूसरे से क्षमायाचना की। श्रीजी की शोभा यात्रा में ऊपर से इन्द्रों ने भी जल की वर्षा कर भूमि शुद्धि के साथ साथ वातावरण को शीतलता प्रदान की।

श्रेयांस धर्मसैया,अहमदाबाद। गुजरात की भूमि को 4 सिद्धक्षेत्र व 3 अतिशय क्षेत्र पाने का परम सौभाग्य प्राप्त है। प्राचीन मंदिर श्री संभवनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के अंतर्गत एक जैन भवन पूर्वजों द्वारा हमें विरासत में मिला है। यह देन का सदुपयोग यात्रियों के रहने, ठहरने की सुंदर व्यवस्था मिले इस दिशा में पूर्ण रुप से भरसक प्रयास आरंभ हो गये है। गंतव्य स्थान रेलवे स्टेशन व बस अड्डे से मात्र 1.5 कि.मी के अंतर पर ही है। यह जैन भवन यात्री निवास हेतु समग्र भारत वर्ष के दिगम्बर जैन बंधुओं के साथ सहकार की भावना के साथ आधुनिक

सुविधायुक्त यात्री निवास बनाने की योजना है, जिससे यात्री अपनी आगे की यात्रा के लिए यहां अल्पविराम कर सके। समाज बंधुओं के इलाज हेतु मंदिर के पास सुनिश्चित स्थान होने के कारण सभी के लिए उपयोगी रहेगा। शिक्षा हेतु आने वाले विद्यार्थियों के लिये देवदर्शन की सुविधा के साथ निवास भी सुविधा भी उन्हें प्राप्त होगी। इस महत्वकांक्षी योजना में आप सभी का यथायोग्य सहयोग हमें प्राप्त होगा।

विदिशा सकल दि. जैन समाज की कार्यकारिणी में गोलालारीय समाज की सहभागिता एवं शपथ विधि समारोह

कन्छेदीलाल जैन, विदिशा। सकल दि. जैन समाज के चुनाव में चौधरी प्रकाशचंद सर्राफ अध्यक्ष निर्वाचित हुए उनके द्वारा गठित की गई कार्यकारिणी में गोलालारीय समाज के सदस्यों की भागीदारी निम्न अनुसार है - **कोषाध्यक्ष** - श्री प्रकाशचंद जैन (हुसनापुरवाले), **संयुक्त मंत्री** - श्री शैलेन्द्र चौधरी, श्री आकाश जैन, **प्रवक्ता** - श्री कन्छेदीलाल जैन, **संरक्षक** - श्री चौधरी कैलाश सर्राफ, श्री नाथूराम नटेरन, श्री ए.एल. फणीश, श्री डॉ. पदम जैन, श्री अशोक मानेरिया, श्री के.के. जैन, **उपाध्यक्ष** - श्री संजय दिवाकीर्ति, श्री ललूलाल एडव्होकेट, श्री मेजर सतीशचंद, इंजी. श्री चन्द्रशेखर जैन, श्रीमती सरला चौधरी, श्री वीरेन्द्र भण्डारी, **कनिष्ट उपाध्यक्ष** - श्री मनोज जैन 'बड़ाघर', श्री कमलेश जैन, **सहसंयुक्त मंत्री** - श्री मुकेश जैन 'बड़ाघर', **मंत्री** - श्री संकेत भंडारी, श्री नरेश जैन, श्री महेन्द्र जैन पानवाले,

सहसंयुक्त मंत्री - श्री जितेन्द्र जैन, श्री अखिलेश जैन, श्री संजीव चौधरी, **सहकोषाध्यक्ष** - श्री अभय जैन सीए, श्री जिनेन्द्रकुमार जैन, **सांस्कृतिक मंत्री** - श्री सुरेश जैन गिफ्ट, **नगर के त्यागीव्रती** - श्री महेन्द्र जैन 'बिस्कुट', **विशेष सलाहकार** - श्री सुमेर जैन ठेकेदार, श्री पी.सी. जैन, **कार्यकारिणी सदस्य** - श्री मेजर संतोष सिंघई, श्री स्वतंत्र जैन (स्टेट बैंक), श्री वीरेन्द्र जैन (बाँसी), श्री दुलीचंद जैन, श्री मोना जैन मेडिकल, श्री पवन जैन, श्री अरविंद जैन दिवाकीर्ति, श्री पवन जैन गल्ला मंडी, श्री विनोद जैन हुसनापुर, **विशेष आमंत्रित सदस्य** - डॉ. वीरेन्द्र जैन, इंजी. रमेश जैन बामोरा, डॉ. श्रीमती इंदु जैन, डॉ. आनंद जैन, इंजी. महेन्द्र जैन, श्री विनोदचंद 'वकील', श्री अरविन्द जैन 'एसडीओ', श्री जिनेन्द्र जैन, श्री आशीष जैन।